डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

## साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार 2017
## हिंदी भाषा के लिए प्रतिभा अग्रवाल को दिया गया

### शब्द–भंडार बढ़ाने की आवश्यकता है – प्रतिभा अग्रवाल
### अनुवाद जटिल सृजनात्मक प्रक्रिया है – प्रतिभा अग्रवाल
### अनुवादक ही शब्द भंडार को बढ़ाते हैं – माधव कौशिक

नई दिल्ली। 7 अगस्त 2018। हिंदी भाषा के लिए साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार 2017 प्रख्यात नाट्यकर्मी प्रतिभा अग्रवाल को आज एक गरिमापूर्ण समारोह में दिया गया। पुरस्कार के अंतर्गत ताम्रफलक एवं 50 हजार रुपए की राशि साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक द्वारा प्रदान की गई। ज्ञात हो कि उन्हें बाङ्ला के प्रसिद्ध नाट्य लेखक एवं निर्देशक शंभु मित्र की बाङ्ला कृति 'अभिनय नाटक मंच' के हिंदी अनुवाद के लिए यह पुरस्कार दिया गया। अपने पुरस्कार स्वीकृति वक्तव्य में अनुवाद संबंधी अपने अनुभवों को श्रोताओं से साझा करते हुए प्रतिभा अग्रवाल ने कहा कि अनुवाद में नए शब्दों का प्रयोग आवश्यक है लेकिन यह उचित हो तभी किया जाना चाहिए। तभी विभिन्न भाषाओं के शब्द–भंडार समृद्ध होंगे।

उन्होंने शंभु मित्र के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे केवल अच्छे अभिनेता और निर्देशक ही नहीं बल्कि श्रेष्ठ चिंतक भी थे। उनकी यह पुस्तक उनके व्यक्तित्व का यही पक्ष उजागर करती है। उन्होंने अपने 70 वर्ष के कार्य–जीवन के कई महत्त्वपूर्ण संस्मरण श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किए। अंत में, उन्होंने प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास 'गोदान' का स्वयं द्वारा किया गया नाट्य रूपांतर का अंतिम अंश भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि भूमंडलीकरण के दुष्परिणामों के बीच सुखद समाचार यह है कि आज विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के साहित्यों और अन्य बहुत सारी आवश्यक सामग्री का अलग–अलग भाषाओं में परस्पर अनुवाद हो रहा है। इससे भाषाओं के बीच संवाद बढ़ा है। इस संवाद को कायम करने में अनुवादकों की भूमिका विशेष है। अनुवादक भाषाओं और साहित्यों के बीच एक आवश्यक सेतु की तरह हैं। अनुवादक ही भारतीय भाषाओं के शब्द भंडार को बढ़ाने में सहायक होते हैं। अनुवादक का कार्य सर्जक से कम महत्त्वपूर्ण नहीं होता है। हमें उनकी सृजनात्मकता का सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि साहित्य अकादेमी द्वारा अनुवाद पुरस्कार विभिन्न भारतीय भाषाओं की कृतियों के श्रेष्ठ अनुवाद हेतु प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2017 का अनुवाद पुरस्कार अर्पण समारोह गुवाहाटी में आयोजित हुआ था, किंतु अस्वस्थता के कारण प्रतिभा अग्रवाल जी उस समारोह में सम्मिलित नहीं हो सकी थीं। दिल्ली में उनकी उपलब्धता को ध्यान में रखकर हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया है। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विमल जालान, उषा मलिक, कीर्ति जैन, रश्मि वाजपेयी, प्रयाग शुक्ल, देवेंद्र राज अंकुर, अमिताभ श्रीवास्तव, रणजीत साहा, विमलेश कांति वर्मा आदि महत्त्वपूर्ण नाट्यकर्मी, लेखक, अनुवादक एवं छात्र सम्मिलित हुए।

(के. श्रीनिवासराव)